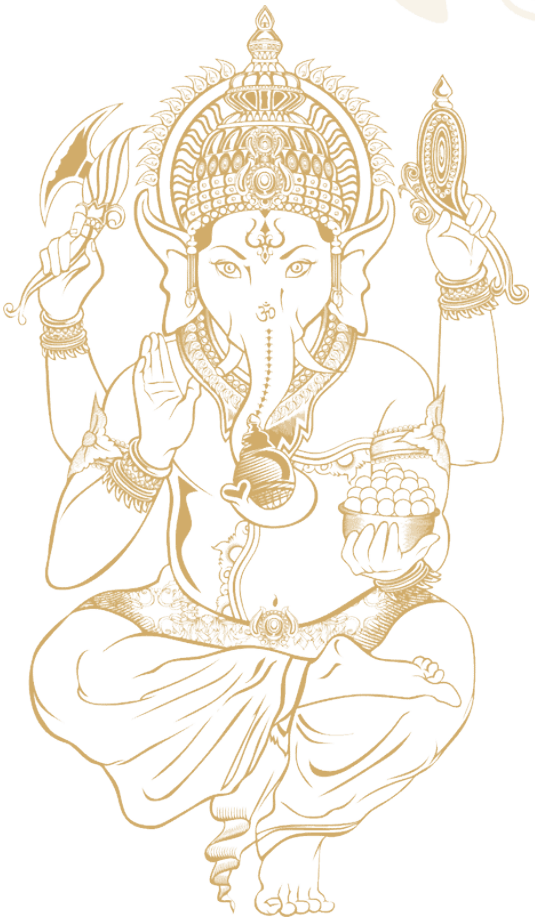

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121268903

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
8-09/02/1992	जन्म तिथि	30-31/01/1993
शनि-रविवार	दिन	शनि-रविवार
घंटे 02:30:00	जन्म समय	03:20:00 घंटे
घटी 48:30:31	जन्म समय(घटी)	50:23:18 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:05:47	सूर्योदय	07:10:40
18:05:07	सूर्यास्त	17:58:29
23:45:07	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:56

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 9वर्ष 11मा 21दि	15:42:00	वृश्चि	लग्न	वृश्चि	19:29:32	शुक्र 15वर्ष 1मा 27दि
शुक्र	25:36:25	मक	सूर्य	मक	17:16:12	मंगल
30/01/2009	22:10:31	मीन	चंद्र	मेष	16:33:40	29/03/2024
30/01/2029	29:08:32	धनु	मंगल व	मिथु	16:27:09	30/03/2031
शुक्र 01/06/2012	22:59:33	मक	बुध	मक	22:25:23	मंगल 25/08/2024
सूर्य 01/06/2013	18:26:36	सिंह व	गुरु व	कन्या	20:55:28	राहु 13/09/2025
चन्द्र 31/01/2015	24:09:06	धनु	शुक्र	मीन	03:51:17	गुरु 20/08/2026
मंगल 01/04/2016	16:40:30	मक	शनि	मक	25:59:30	शनि 29/09/2027
राहु 02/04/2019	15:14:36	धनु व	राहु	वृश्चि	26:17:53	बुध 25/09/2028
गुरु 01/12/2021	15:14:36	मिथु व	केतु	वृष	26:17:53	केतु 21/02/2029
शनि 30/01/2025	22:09:47	धनु	हर्ष	धनु	25:39:34	शुक्र 23/04/2030
बुध 01/12/2027	23:53:23	धनु	नेप	धनु	25:42:33	सूर्य 29/08/2030
केतु 30/01/2029	29:07:42	तुला	प्लूटो	वृश्चि	01:32:42	चन्द्र 30/03/2031

लग्न-चलित

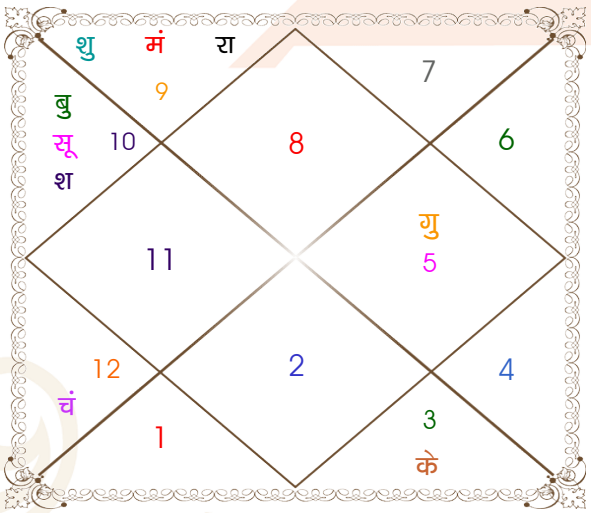

लग्न-चलित

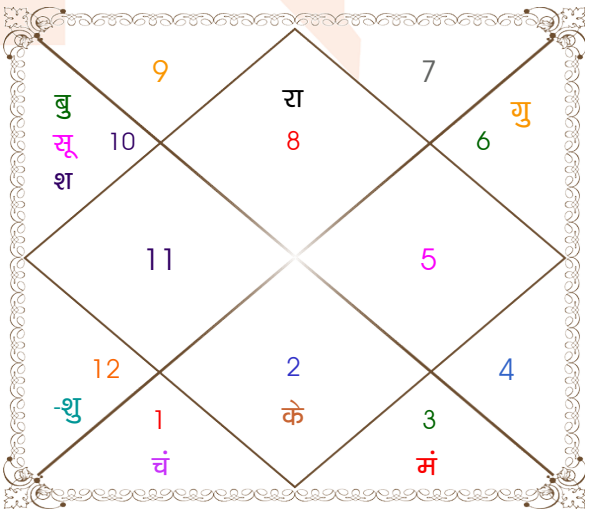

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	गज	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग सर्प है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।